एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -23

माह - दिसम्बर 2024

आप तभी तक सीख सकते है जब तक आप खुद को एक छात्र मान पाते है क्योंकि कुछ सीखने के लिए झुकना पड़ता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

श्री रावतपुरा सरकार नर्सिंग संस्थान रायपुर ने जागरूकता कार्यक्रम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया

एचआईवी/एड्स की रोकथाम पर समुदाय को शिक्षित करने के लिए स्किट, रैली और पैम्फलेट वितरण सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए

माननीय प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने छात्रों को एचआईवी/एड्स जागरूकता में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया

श्री रावतपुरा सरकार नर्सिंग संस्थान, रायपुर ने 1 दिसंबर, 2024 को विश्व एड्स दिवस मनाया, जिसमें एचआईवी/एड्स की रोकथाम और नियंत्रण पर महत्वपूर्ण ज्ञान फैलाने के उद्देश्य से एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें एक जागरूकता स्किट, एक रैली और भटगांव गाँव में स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए सूचनात्मक पैम्फलेट और ब्रोशर का वितरण शामिल था।

कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के छात्रों द्वारा सहायक प्रोफेसर सुश्री श्वेता दुर्धी और प्रार्थना राज के मार्गदर्शन में किया गया था। इस कार्यक्रम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्हें एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता के लिए सराहा गया।

इस कार्यक्रम में माननीय प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा उपस्थित थे। इन गणमान्यों द्वारा इस तरह के प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन में छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा की और एचआईवी/एड्स के प्रसार से निपटने में सामुदायिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर, प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने बीमारी की रोकथाम में एचआईवी/एड्स शिक्षा और जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों की उनके समर्पण के लिए सराहना की और उन्हें ज्ञान का प्रसार जारी रखने और एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री रावतपुरा सरकार नर्सिंग संस्थान की इस पहल ने न केवल एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाई बल्कि समाज के कल्याण में योगदान देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन...
प्रतियोगिता के शीर्ष चार खिलाड़ि भुवनेश्वर में अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी खेलों में करेंगे प्रदर्शन...
मैदान पर सीखे गए गुण जीवन के हर पहलू में सीधे तौर पर परिलक्षित होते हैं... प्रो. डी.पी सिंह

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी परिसर में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रायपुर सेक्टर से पंडित रविशंकर यूनिवर्सिटी के 12 संबद्ध महाविद्यालयों के कुल 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 15 लड़कियों और 15 लड़कों ने अपनी तीरंदाजी कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने कंपाउंड राउंड, इंडियन राउंड और रिकर्व राउंड में अपनी प्रतिभा दिखाई।

मुख्य अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं टीआईएसएस चांसलर प्रो. डी.पी सिंह ने विद्यार्थियों और प्रतिभागियों से भेंट कर कहा कि मेरे लिए यह वास्तव में सम्मान की बात है। हम न केवल खेल की भावना के लिए बल्कि शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मकता के आदर्शों को अपनाने के लिए भी एकत्र हुए हैं जो हमारे भविष्य को आकार देंगे।शिक्षा के मौलिक मूल्य पर जोर देते हुए कहा कि , शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों या परीक्षाओं के बारे में नहीं है; यह आने वाली दुनिया के लिए खुद को तैयार करने, आलोचनात्मक सोच, नवाचार और लगातार बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल होने की क्षमता को बढ़ावा देने के बारे में है। ज्ञान वह नींव है जिस पर हम अपना भविष्य बनाते हैं। यह हमें सशक्त बनाता है, हमारे जुनून को प्रज्वलित करता है और अनंत संभावनाओं के द्वार खोलता है।विद्यार्थी के रूप में, आप अपनी यात्रा के एक महत्वपूर्ण चरण में हैं, जहाँ आपके पास उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्ग बनाने का अवसर है। अपने आप को केवल कक्षा तक सीमित न रखें।

प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ, विद्यार्थियों के विकास का एक और ज़रूरी हिस्सा है खेल ।खेल जीवन के मूल्यवान सबक सिखाते हैं: अनुशासन, दृढ़ता, टीमवर्क और लचीलापन। मैदान पर सीखे गए वे गुण जीवन के हर पहलू में सीधे तौर पर परिलक्षित होते हैं, चाहे वह आपकी शैक्षणिक गतिविधियों, पेशेवर जीवन या व्यक्तिगत संबंधों में हो।यह खेल आयोजन सिर्फ़ जीतने या हारने के बारे में नहीं है; यह प्रयास का जश्न मनाने, चरित्र निर्माण और समुदाय की भावना को बढ़ावा देने के बारे में है। भविष्य आपको बनाना है और मैं आपकी शैक्षणिक यात्रा, खेलकूद और आपके सभी भावी प्रयासों के लिए आपको शुभकामनाएँ देता हूँ।

इस प्रतियोगिता के शीर्ष चार खिलाड़ियों का चयन किया गया, जो KKII भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी खेलों में भाग लेंगे। बॉयज केटेगरी इंडियन राउंड के विजेता नकुल सिंह(विप्र कॉलेज) ,कंपाउंड राउंड के विजेत अर्क महोबिया (महंत कॉलेज), रिकर्व राउंड के विजेता मयूर (महाराजा अग्रसेन कॉलेज) रहे ।

गर्ल्स केटेगरी में इंडियन राउंड की विजेता हर्षिता साहू (शासकीय छत्तीसगढ़ कॉलेज), कंपाउंड राउंड की विजेता आर्शी यादव (महंत कॉलेज), रिकर्व राउंड की विजेता छमा पिस्दा (शासकीय डी. बी गर्ल्स कॉलेज) रही।

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रतियोगिता ने न केवल प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम को बधाई। इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों के समर्पण और मेहनत को दर्शाती हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद करती हैं।

इस तीरंदाजी प्रतियोगिता के सभी उत्कृष्ट विजेताओं और प्रतिभागियों को यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के सिंह और शारीरिक शिक्षा विभाग के निर्देशक डॉ.सुमित तिवारी ने शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में खेल के प्रति जागरूकता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना था।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी प्रांगन में अंतर महाविद्यालीन हैंडबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन... चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रायपुर सेक्टर टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे कांकेर में....

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी प्रांगन में अंतर महाविद्यालीन हैंडबॉल पुरुष प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों के 80 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किए। यहां के चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रायपुर सेक्टर टीम का प्रतिनिधित्व करने दिनांक 12/12/2024 को कांकेर प्रस्थान करेंगे। प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल मैच शासकीय महाविद्यालय आरंग शासकीय महाविद्यालय कुरूद के मध्य खेला गया जिसमें कुरूद की टीम 12--3 से विजई रही! प्रतियोगिता का द्वितीय सेमीफाइनल मैच विप्र महाविद्यालय विरुद्ध यूटीडी रायपुर के मध्य खेला गया इस मैच में यूटीडी 21--6 से विजय रही।

इस प्रतियोगिता में विजेता शासकीय महाविद्यालय कुरूद रही एवं उपविजेता यू टी डी रायपुर रही। इस संघर्ष पूर्ण मैच में पूर्ण समय तक दोनों ही टीमे13--13 की बराबरी पर रही इस शानदार मैच का निर्णयअतिरिक्त समय के माध्यम से किया गया इस प्रकारफाइनल मैच का स्कोर 16-15 रहा और कुरुद महा. की टीम विजयी रही अतिथि डॉ कमल प्रधान सर डिप्टी रजिस्ट्रार, डॉ अनुप श्रीवास्तव सर डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, डॉ अभिषेक श्रीवास्तव सर डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, डॉ सुमित तिवारी सर डायरेक्टर फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स एवं वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ रामानंद यदु सर, डॉ प्रमोद मेने सर, डॉ रूपेंद्र चौहान सर द्वारा विजेता - उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया गया एवं आगामी प्रतियोगियों हेतु शुभकामनाएं भी दी गई।

श्री रावतपुरा सरकर युनिवेर्सिटी में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव....

आज दिनांक 11 दिसंबर 2024 को श्री रावतपुरा सरकर युनिवेर्सिटी, रायपुर के अंग्रेजी एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। भारतीय भाषा उत्सव (Indian Languages Festival) भारत की भाषाई विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक विशेष उत्सव है। यह उत्सव विभिन्न भारतीय भाषाओं, उनकी साहित्यिक परंपराओं, कला, संगीत, और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का उत्सव मनाने का एक माध्यम है। इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य भारतीय भाषाओं को संरक्षित करना, उन्हें प्रोत्साहित करना और नई पीढ़ी में भाषाई गर्व और जागरूकता पैदा करना है।

इस आयोजन में डॉ. नरेश गौतम ने अपने वक्तव्य भाषा और बोलिए के समागम पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे भाषायें और बोलियां हमारी संस्कृति और सभ्यता की परिचायक हैं। पूरे देश में लगभग बीस हजार भाषायें और बोलियां शामिल हैं। भारतीय सामाजिक विविधता को देखते हुये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषयों को शामिल किया गया। साथ ही भारतीय नई शिक्षा नीति में रीजन भाषा एवं बोलियों में शिक्षा देने पर जोर दिया जा रहा है ताकि लुप्त होती भाषाओं का संरक्षण किया जा सके। इस आयोजन का विषय प्रवेश कराते हुये डॉ. राशि (अंग्रेजी विभाग) ने कहा कि यह दौर जरूर अंग्रेजी भाषा का है लेकिन ज्ञान कि निरंतरता सभी भाषाओं में एक समान है। सभी भाषाओ और बोलियों का सम्मान करना उन्हें संरक्षित करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। आयोजन के अंत में डॉ. पायल (हिन्दी विभाग) ने आभार व्यक्त किया।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में कला संकाय के डॉ मनीषा बोस, डॉ. सुनीता सोनवानी, श्री बिक्रमजित सेन, श्री केशव जी एवं अन्य सभी संकाय सदस्य एवं यूनिवर्सिटी के सभी छात्र शामिल थे।

श्री रावतपुरा सरकर युनिवेर्सिटी में मानवाधिकार दिवस मनाया गया...

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी के विधि संकाय ने 10 दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक साथ मिलकर काम किया। इस समारोह में संकाय, छात्र और सम्मानित अतिथि मानवाधिकारों के महत्व और उनकी सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी पर विचार करने के लिए एक साथ आए।

कार्यक्रम की शुरुआत विधि विभाग के प्रमुख श्री अभिषेक कुमार मिश्रा के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने मानवाधिकार दिवस मनाने के महत्व पर जोर दिया और मैग्ना कार्टा, अंग्रेजी अधिकार विधेयक, अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा और मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की फ्रांसीसी घोषणा जैसे दस्तावेजों में इसकी ऐतिहासिक जड़ों पर प्रकाश डाला। श्री मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन मूलभूत ग्रंथों ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) की नींव रखी।

कला संकाय के डीन डॉ मनीष पांडे एक प्रमुख अतिथि वक्ता थे जिन्होंने इस दिन को मनाने के महत्व के बारे में गहन अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने श्रोताओं को गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सम्मान के मूल मूल्यों की याद दिलाई, जिनका हर व्यक्ति अपनी मानवता के आधार पर हकदार है।

डॉ. विजय सिंह, फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल ने प्रवचन को और समृद्ध किया, जिन्होंने 2024 मानवाधिकार थीमः "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य और अभी" को संबोधित किया। उन्होंने दैनिक जीवन में मानवाधिकारों की निरंतर प्रासंगिकता को मान्यता देने का आह्वान किया, और सभी से इन मौलिक अधिकारों को स्वीकार करने और उन पर कार्य करने का आग्रह किया।

शिक्षा संकाय के डीन डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने भी बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए, जिसमें दूसरों के अधिकारों की रक्षा करने और ऐसा माहौल बनाने में व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के महत्व पर जोर दिया गया, जहां हर कोई मूल्यवान और सम्मानित महसूस करता है। कार्यक्रम का समापन विधि संकाय में सहायक प्रोफेसर श्रीमती शालिनी कुर्मी के हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने मेहमानों के योगदान और उनकी व्यावहारिक चर्चाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

समारोह का संचालन विधि संकाय में सहायक प्रोफेसर श्रीमती रूपल अग्रवाल ने कुशलतापूर्वक किया, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि पूरे समारोह में कार्यवाही सुचारू रूप से चले। जैसे-जैसे दिन समाप्त होने को आया, उपस्थित लोग अपने समुदायों में मानवाधिकारों को बनाए रखने और उनकी वकालत करने की नई प्रतिबद्धता के साथ वहां से चले गए, जो दिन की भावना और अधिक न्यायपूर्ण तथा समतापूर्ण भविष्य के लिए सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने डॉ. चित्रा पांडे के अभूतपूर्व आविष्कार को मान्यता दी....
डॉ. पांडे का शोध महिला सशक्तिकरण के सामाजिक-आर्थिक विकास पर केंद्रित है....

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी कला संकाय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. चित्रा पांडे के लिए उनके अभिनव कार्य रमहिला सशक्तिकरण के सामाजिक-आर्थिक विकास का आकलनर के लिए पेटेंट की स्वीकृति की घोषणा करता है। इस आविष्कार का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक विकास पर महिला सशक्तिकरण के गहन प्रभाव का पता लगाना और उसका आकलन करना है, जो सामाजिक प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

आविष्कार महिला शिक्षा और सामाजिक उन्नति के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डालता है, इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कैसे शिक्षा गरीबी के चक्र को तोड़ती है और अधिक समतापूर्ण और न्यायपूर्ण समाज को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, डॉ. पांडे का काम विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी द्वारा आकार लेने वाली सामाजिक गतिशीलता की खोज करता है।

यह आविष्कार छात्रों, शिक्षाविदों और शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखता है, जो महिला सशक्तिकरण के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह लैंगिक समानता और समाज को बदलने में शिक्षा की भूमिका की गहरी समझ को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय विकास में योगदान को प्रोत्साहित करता है।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग ने माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी के सहयोग से रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया.... प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं ने वैज्ञानिक रचनात्मकता और ज्ञान को उजागर किया....

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय ने माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी के सहयोग से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिता सहित कई आकर्षक प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया। वैज्ञानिक ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इन कार्यक्रमों में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सामान्य विज्ञान विषय पर केंद्रित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का समन्वयन डॉ. धनंजय टंडन और श्री लोकेश यादव ने किया। विजेताओं में हरितिका भारद्वाज (बीएससी ऑप्टोमेट्री) प्रथम, हिमानी समद (बीएससी बायोटेक्नोलॉजी) द्वितीय और कमर सिद्दीकी (बीएससी न्यूट्रीशन एंड डायटेटिक्स) तृतीय स्थान पर रहीं।

विज्ञान से सतत समाधान, नेत्र की प्रकाशिकी और आंखों के लिए विटामिन की भूमिका जैसे विषयों पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का समन्वय डॉ. पीयूष झा और डॉ. नमिता गजेंद्र ने किया। ऑप्टोमेट्री विभाग से वेदिका सोनी, श्रुति वर्मा और निशा विजेता रहीं।

प्रकृति की सूक्ष्म दुनिया, स्वदेशी तकनीक, रचनात्मक रसायन विज्ञान, नेत्रगोलक के भाग और रंगीन आहार जैसे विषयों पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन विज्ञान संकाय की प्रोफेसर डॉ. अनुभूति खोसले के मार्गदर्शन और डॉ. धनंजय टंडन के निर्देशन में किया गया।

श्री रावतपुरा यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने आईआईएम रायपुर में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम में अपना जलवा बिखेरा... पांच दिवसीय कार्यक्रम आकांक्षी नेताओं के लिए आत्म-अन्वेषण, परिवर्तन और संचार पर केंद्रित है...

श्री रावतपुरा यूनिवर्सिटी गर्व से घोषणा करता है कि विज्ञान संकाय की डीन प्रो. अनुभूति कोशले और प्रबंधन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सिंदुरा भार्गव ने 21 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2024 तक प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में यूनिवर्सिटी अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम में सफलतापूर्वक भाग लिया है।

पांच दिवसीय कार्यक्रम को नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया था और एक ऐसा अनुभव प्रदान किया गया जिसमें टीम गतिविधियाँ, केस स्टडी, अनुभवात्मक शिक्षा, फोकस समूह चर्चा और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बातचीत शामिल थी।

नेतृत्व कौशल को पोषित करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर सत्र फैले हुए थे। दिन 1 स्वयं की खोज और आत्म-प्रबंधन पर केंद्रित था, जिसने प्रतिभागियों को आत्मनिरीक्षण करने और व्यक्तिगत प्रबंधन को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। दूसरे दिन, कार्यक्रम में शैक्षणिक से प्रशासनिक तक परिवर्तन पर गहन चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए आवश्यक चुनौतियों और कौशल को समझने में मदद मिली।

तीसरे दिन प्रभावी संचार पर जोर दिया गया, जिससे प्रभाव के साथ संचार करने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। चौथे दिन जैव विविधता पार्क की एक फील्ड ट्रिप ने प्रतिभागियों को प्रकृति से जुड़ने और एक नया दृष्टिकोण प्राप्त करने का अवसर दिया। कार्यक्रम का समापन पांचवें दिन प्रशासक के लिए लक्ष्य निर्धारण और आवश्यकताएं पर एक सत्र के साथ हुआ, जिसने प्रतिभागियों को स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करने और संगठनात्मक सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उपकरण प्रदान किए।

भविष्य के नेतृत्व को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य संचार में सुधार, स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा देने और उत्पादक और सकारात्मक कार्य वातावरण बनाने के माध्यम से भविष्य के नेताओं को प्रेरित करना है। श्री रावतपुरा यूनिवर्सिटी अपने प्रतिनिधियों को इस समृद्ध कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाई देता है।

एप्लाइड साइंसेज विभाग की डॉ. माधवी पांडे ने कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित पुस्तक प्रेजेंट स्टेटस एंड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ प्लांट एसोसिएटेड फंगी में उल्लेखनीय योगदान दिया है...

डॉ. पांडे के अध्याय, जिसका शीर्षक ₹बायोरेमेडिएशन में एंडोफाइटिक फंगी की भूमिका₹ है, बायोरेमेडिएशन के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का मुकाबला करने में एंडोफाइटिक फंगी की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाता है। शोध में इस बात पर गहनता से चर्चा की गई है कि ये फंगी किस प्रकार योगदान करते हैं: पौधों में पोषक तत्वों के अवशोषण और तनाव सहनशीलता को बढ़ाना। उन्नत एंजाइमेटिक तंत्र के माध्यम से पर्यावरण प्रदूषकों को कम करना। भारी धातु उपचार और हाइड्रोकार्बन क्षरण के लिए स्थायी समाधान प्रदान करना। पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए पर्यावरण के अनुकूल फाइटोरेमेडिएशन तकनीकों का समर्थन करना।

यह अध्याय विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रकाशन का हिस्सा है जो दबाव वाले पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करने में पौधे से जुड़े कवक के महत्व को रेखांकित करता है। डॉ. पांडे का काम फंगल बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरणीय स्थिरता में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डॉ. माधवी पांडे को बधाई! उनका शोध वैश्विक वैज्ञानिक साहित्य और पर्यावरणीय समाधानों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालना जारी रखता है।

शोध पत्र को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री (एल्सेवियर) में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया
डॉ. अनुभूति कोशले और डॉ. हितेश कुमार देवांगन ने अभूतपूर्व शोध पर सहयोग किया

रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. अनुभूति कोशले और उसी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हितेश कुमार देवांगन का शोध पत्र एल्सेवियर द्वारा प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। यूलिन यूनिवर्सिटी, पीआर चीन के स्कूल ऑफ न्यू एनर्जी एंड केमिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) संतोष कुमार वर्मा के साथ सह-लेखक यह शोध औषधीय रसायन विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत करता है।

शोध थियाज़ोल डेरिवेटिव पर केंद्रित है अध्ययन में थियाज़ोल डेरिवेटिव का उपयोग करके अभिनव हाइब्रिड डिज़ाइन की जांच की गई है, जिसका उद्देश्य

नई एंटी-ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) दवाएँ विकसित करना है। यह पेपर थियाज़ोल युक्त हाइब्रिड यौगिकों में हाल की प्रगति का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है, जो एंटी-टीबी एजेंट के रूप में उनकी क्षमता पर जोर देता है।

शोधकर्ता थियाज़ोल मोइटीज और उनके कार्यात्मक समूहों के संरचना-गतिविधि संबंध (SAR) का पता लगाते हैं, जो उनके शक्तिशाली जैविक प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, लेख कई संभावित आणविक लक्ष्यों की पहचान करता है, जो तपेदिक के लिए अधिक प्रभावी उपचारों के विकास में योगदान करते हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत: प्रो. मनीष कुमार पाण्डेय का दृष्टिकोण

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित दो-दिवसीय सेमिनार में प्रो. मनीष कुमार पाण्डेय, अधिष्ठाता-कला संकाय, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर ने ₹राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत: चुनौतियाँ और संभावनाएं₹ विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। इस सेमिनार का आयोजन 22 दिसंबर 2024 को हुआ, जिसमें उन्होंने ₹विज़न विकसित भारत 2047: री-डिफाइनिंग हायर एजुकेशन इन द डिजिटल एरा₹ शीर्षक से अपने विचार साझा किए।

प्रो. पाण्डेय ने अपने व्याख्यान में बताया कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में मुख्य चुनौतियाँ बहुविषयक अध्ययन और अनुभवात्मक प्रयोगों के लिए आधारभूत संसाधनों का अभाव है। उन्होंने कहा, ₹आईसीटी-एनेबल्ड क्लासरूम और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सहायता से संस्थानों के बीच साझेदारी को मजबूत किया जा सकता है, जिससे अधिकतम छात्र-छात्राओं तक शिक्षा की समान पहुँच सुनिश्चित हो सकेगी।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) के उपयोग के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उनका कहना था, ₹ये तकनीकी नवाचार न केवल विज्ञान और तकनीकी विषयों में, बल्कि मानविकी में भी अनुभवात्मक प्रयोगों को संभव बना सकते हैं।

प्रो. पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि संस्थानों को योजनाबद्ध तरीके से तकनीकी ढांचे का निर्माण करना होगा। ₹यदि हम एनईपी 2020 को सफलतापूर्वक लागू करना चाहते हैं, तो हमें इन्हीं तकनीकी संसाधनों को अपना साथी बनाना होगा। यह तभी संभव होगा जब नीति निर्माताओं के दूरदर्शी लक्ष्य विज़न 2047 को समय पर प्राप्त किया जा सके।

नई शिक्षा नीति 2020 की सफलता का मुख्य आधार तकनीकी संसाधनों का समुचित उपयोग और संस्थानों के बीच सहयोग है। प्रो. पाण्डेय का दृष्टिकोण इस दिशा में महत्वपूर्ण है, और आने वाले समय में यह शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगा। यदि हम सभी मिलकर इन चुनौतियों का सामना करें, तो विकसित भारत का सपना शीघ्रता से साकार हो सकता है।

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

स्थानीय सहायता केंद्र

अंबिका मार्केट, बनारस चौक,
पी.जी. कॉलेज के सामने,
अंबिकापुर
72240889708

एल.आई.जी.-247,
घंटाघर चौक के पास
कोरबा
8817856591

प्रथम तल कृष्णा स्टील, जुनवानी
रोड, विवेकानंद नगर, कोहका
भिलाई
9337350080

बिलासा इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग,
चिरचिरदा रोड, बोदरी
बिलासपुर
7222910434
7489923419

श्री रावतपुरा ग्रुप ऑफ़ इन्स्टिट्यूशन
एन.एच.30 आसना पोस्ट ऑफिस के पास
जगदलपुर
7222910435
7222992477

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा